SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī
OCLC: 3195624
Volume 43: no 1, January 2003

TOC Supplied By: Columbia University Libraries

मधुमती

जनवरी, २००३

राजस्थान साहित्य अकादमी

विगतवार

अनहदनाद 6

वेद व्यास

हमारे मनीषी

मानव जगत् 10

डॉ. सम्पूर्णानंद

आधार

हिन्दू बनाम हिन्दू 17

राम मनोहर लोहिया

गीत-ग़ज़ल

ताराप्रकाश जोशी 29

बशीर अहमद 'मयूख' 31

इकराम 'राजस्थानी' 34

रामनाथ 'कमलाकर' 35

इकबाल हुसैन 'इकबाल' 36

शफी मोहम्मद कुरेशी 37

लोकेश कुमार सिंह 'साहिल' 38

अनेकांत

भारतीय लोकतंत्र और संस्कृति 41

विजेन्द्र

समकालीन नारी–चेतना और कविता 52

डॉ. सत्यनारायण व्यास

ऐसा था वह शख्स सांवड़्या 58

हरिराम मीणा

कविताएं

मरूधर मृदुल 71

जुगमंदिर तायल 74

गोविन्द माथुर 75

अंजना अनिल 78

श्याम महर्षि 80

ओमेन्द्र 81

प्रीता भार्गव 82

डॉ. प्रज्ञा कुम्भट 84

पुनर्रचना

हव्वा की बेटी : *क्रिस्तीना रोज़ेट (स्पाहानी)* 88

पैग़म्बर की ओर से : *ख़लील जिब्रान* (अरबी) 89
(अनु.) *अनिल गंगल*

कहानी

कबूतरों की अम्मा 92
यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'

करगिल की विधवा 100
मेजर रतन जांगिड़

आँखों से उठते सवाल 107
भागीरथ

लघुकथा

रत्न कुमार सांभरिया 113

व्यंग्य

नरमेध यज्ञ का महात्म्य 117
अनुराग वाजपेयी

निन्दक, आलोचक और चिन्तक 119
अशोक राही

गंगा अवतरण/रण यात्रा 122
रमेश जोशी

समीक्षा 128–130

औरत का सच/विमला भंडारी का कहानी संग्रह
माधव नागदा

मीरां/डॉ. मंजू चतुर्वेदी की आलोचना कृति
डॉ. कौशलनाथ उपाध्याय

सरोकार

अकादमी प्रवृतियों की सचित्र झलक 132

15 वीं सरस्वती सभा 141

सहयोगी 142

साहित्य अकादमी की प्रमुख प्रवृतियाँ 143

रचनाकार 144

इस अंक में उद्धृत महात्मा गांधी के कथन 'हिन्दू धर्म क्या है' (ने.बु.ट्र.) से लिए गए हैं। आज के हालात में गांधी के विचारों को ठीक-ठीक जानना प्रेरक हो सकता है- मगर सवाल यह है कि अगर आज बापू होते तो?